No. of Printed Pages : 4

MTT-011 F2F

M.A. IN TRANSLATION STUDIES (MATS)

00341

Term-End Examination

June, 2011

MTT-011 F2F : HISTORY AND TRADITIONS OF TRANSLATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : Answer ***any five*** *of the following questions. All questions carry* ***equal*** *marks.*

1. Give a brief critical appreciation, chronologically. of the Indian tradition of Translation.

2. Describe the contribution of translation in popularising Buddha literature while underlining the necessity of Translation.

3. Give a brief account of American and Canadian traditions of translation.

4. Give your opinion on the need of the documentation of multifaced dimension of Indian tradition of Translation.

5. Comment in brief on Chinese tradition of translation of Indian text.

6. Write a note on translation tradition of Indian text into Persian or Arabic language.

7. Give an account on the importance and widespread development of the tradition of translation during the reign of Chandragupta Maurya and Ashoka the Great.

8. Write a critical review from translation point of view of two important works, translated from or into Indian languages, that have distinct contribution in the development tradition of Translation.

अनुवाद अध्ययन में एम.ए. (एम.ए.टी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

एम.टी.टी.-011 F2F : अनुवाद का इतिहास एवं परम्परा

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***किन्हीं पाँच प्रश्नों*** *के उत्तर दें।* ***सभी प्रश्नों*** *के* ***अंक*** *बराबर हैं।*

1. अनुवाद की भारतीय परम्परा की सिलसिलेवार समीक्षा संक्षेप में प्रस्तुत करें।

2. अनुवाद की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए, बौद्ध साहित्य के प्रचार-प्रसार में इसकी भूमिका का उल्लेख करें।

3. अनुवाद की अमेरिकी और कनाडाई परम्परा की संक्षिप्त समीक्षा प्रस्तुत करें।

4. अनुवाद की भारतीय परम्परा के बहुमुखी आयाम के दस्तावेजीकरण आवश्यकता पर अपनी राय प्रकट करें।

5. भारतीय ग्रन्थों के अनुवाद की चीनी परम्परा पर संक्षिप्त टिप्पणी दें।

6. भारतीय ग्रन्थों के अरबी अथवा फ़ारसी भाषाओं में अनुवाद की परम्परा पर टिप्पणी करें।

7. चन्द्रगुप्त मौर्य और सम्राट अशोक के शासन काल में अनुवाद परम्परा के महत्व और प्रचार-प्रसार पर टिप्पणी दें।

8. भारतीय भाषाओं से, अथवा भारतीय भाषाओं में अनूदित किन्हीं दो ऐसी महत्वपूर्ण ग्रन्थों की अनुवाद की दृष्टि से समीक्षा प्रस्तुत करें, जिनका अनुवाद परम्परा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।